

**राज्यपाल ने पत्रकारों को सम्मानित किया**  
**समाज का प्रबोधन मीडिया का दायित्व है - राज्यपाल**  
**राष्ट्र को एक मानकर सोचना होगा - राम गोविन्द चौधरी**  
**पत्रकार तथ्यपरक समाचार जनता तक पहुंचाने का काम करें - नीलकंठ तिवारी**

लखनऊ: 13 मई, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में बहुभाषी संवाद समिति हिन्दुस्थान समाचार द्वारा विश्व पत्रकारिता दिवस एवं महर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्रधर्म और पत्रकारिता' विषयक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये श्री आनन्द प्रकाश मिश्र पूर्व सम्पादक राष्ट्रधर्म, श्री राजनाथ सिंह सूर्य वरिष्ठ स्तम्भकार, श्री सुधीर मिश्र सम्पादक नवभारत टाइम्स, श्री सुभाष राय प्रधान सम्पादक जनसंदेश टाइम्स, श्री राजीव श्रीवास्तव वरिष्ठ पत्रकार टाइम्स आफ इण्डिया, श्रीमती शिल्पी सेन डिप्टी ब्यूरो चीफ सहारा समय एवं श्री प्रवीण तिवारी संवाददाता दैनिक जागरण अयोध्या को पत्रकार सम्मान-2017 से सम्मानित किया। इस अवसर पर नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी, राज्यमंत्री सूचना श्री नीलकंठ तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एस0पी0 सिंह, हिन्दुस्थान समाचार के उपाध्यक्ष श्री जगदीश उपासने सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे। राज्यपाल ने कार्यक्रम में हिन्दुस्थान समाचार की पत्रिका युगवार्ता के विशेषांक का विमोचन भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कही जाने वाली पत्रकारिता की गरिमा बनाये रखनी चाहिये। पत्रकारिता को उसके निर्धारित मानदण्ड एवं उचित आदर्शों पर ले जायें। 'राष्ट्रधर्म और पत्रकारिता' विषय पर अपने विचार रखते हुये उन्होंने कहा कि राष्ट्रधर्म का अर्थ कर्तव्य से जुड़ा है उसे समझने की जरूरत है। परिवर्तन के युग एवं बदलते चित्र में अपनी बात कैसे रखनी चाहिये, विचार का विषय है। न्यूज और व्यूज का मिश्रण न हो बल्कि समाचार का विश्लेषण अलग से प्रस्तुत किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि पत्रकार तथ्यपरक समाचार उपलब्ध कराने तथा समाज में सही विचार बनाने का कार्य करें।

श्री नाईक ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता समर में पत्रकारिता ने सैनिकों को समर्थन देने का काम किया। अंग्रेजों ने प्रथम स्वतंत्रता समर को बगावत कहा तो वीर सावरकर ने पत्रकार के नाते इस प्रकार की बात रखी कि यह बगावत नहीं बल्कि देश की आजादी के लिये पहला स्वतंत्रता समर था। आज की पत्रकारिता और पूर्व की पत्रकारिता में फर्क है। उस समय देश को आजाद कराना ही ध्येय था। तब की पत्रकारिता से लोगों का ज्ञानवर्द्धन और प्रबोधन होता था। लोकमान्य तिलक द्वारा 'केसरी' में प्रकाशित अग्रलेख लोग ध्यानपूर्वक पढ़ते थे। उन्होंने कहा कि समय बदला है मगर पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं बदलना चाहिये।

राज्यपाल ने कहा कि पत्रकारिता का दायित्व अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आज के युग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में स्पर्धा का दौर है। हर व्यक्ति की रूचि के अनुसार समाचार मिलता है। पत्रकारिता में वाचक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सही और प्रमाणिक खबरों द्वारा अनुचित टिप्पणी से बचा जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में त्वरित समाचार पहुंचाना एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि समाज का प्रबोधन मीडिया का दायित्व है। राज्यपाल ने यह भी बताया कि उनका हिन्दुस्थान समाचार से पूर्व का रिश्ता है। वे हिन्दुस्थान समाचार के लिये खबर लिखने का काम कर चुके हैं।

नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी ने कहा कि राष्ट्र और पत्रकारिता का धर्म निभाना महत्वपूर्ण है। राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता को बचाये रखने के लिये शुद्ध पत्रकारिता की जरूरत है। पत्रकारिता में सोच बदली है। राष्ट्र को एक मानकर सोचना होगा। यह विचार करने की जरूरत है कि समाज की समरसता न बदले तथा राष्ट्र की मूल भावना पर चोट भी न आये। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिये आपसी मतभेद भुलाकर देश की रक्षा होनी चाहिये। राज्यमंत्री सूचना श्री नीलकंठ तिवारी ने कहा कि नारद जी इकलौते महापुरुष थे जो देवऋषि और ब्रह्मऋषि थे। उन्हें आदि पत्रकार माना जाता है। अच्छे राजतंत्र के लिये जनता की पीड़ा को राजा तक पहुंचाना तथा जनोपयोगी योजनाओं को आमजन तक ले जाना भी वास्तविक पत्रकारिता है। पत्रकारिता में शब्दों का संग्रह, समाचार का

मूल्यांकन और उसकी सकारात्मकता महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि पत्रकार जनकल्याण की सूचना एवं तथ्यपरक समाचार जनता तक पहुंचाने का काम करें।

हिन्दुस्थान समाचार के उपाध्यक्ष श्री जगदीश उपासने ने पत्रकारिता के इतिहास एवं हिन्दुस्थान समाचार के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुये कहा कि प्रेस एक बड़ा हथियार है जिसके कुछ आदर्श हैं। पत्रकारिता का काम समाज में सही विचार बनाने का है। पत्रकार देश के बारे में सोचें और अपना दायित्व ईमानदारी से निभायें। तथ्यपूर्ण और सत्य के आधार पर काम करते हुये पत्रकारिता के मूल्यों को बचाने तथा विश्वसनीयता बनाये रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज को मथने और दिशा देने वाले समाचार की जरूरत है।

कार्यक्रम का संचालन श्री पवन पुत्र बादल ने किया।

-----

अंजुम/ललित/राजभवन (181/20)



